considerations that pipelines should be laid for the transport of oil and associated gas from the Bombay High field to Trombay via Uran, where a shore terminal would be established. The associated gas would be fractionated and the liquified petroleum gas extracted from it and supplied to the consumers. The heavier fractions would be mixed with crude stream and the lighter fractions used for fertilizer manufacture. The possibility of utilising the lighter fractions in the short run for power generation until new fertilizer units are commissioned is also under consideration.

2. To monitor the sanction and implementation of the new projects arising out of the utilisation of the Bombay High associated gas, a Special Inter Ministerial Committee has been constituted. The Special Committee would consist of Secretaries of the Ministry of Petroleum, Ministry of Chemicals and Fertilizers, Ministry of Energy, Department of Expenditure, Planning Commission and others.

3. The Government have also decided that feasibility studies should be initiated for transporting free gas from the South Bassein field to Gujarat through an appropriate pipeline system.

बरौनी तेल शोधक कारखाने का बन्द होना

2528. **श्री युवराज :** क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बरौनी (बिहार) तेल शोधक कारखाना गत वर्ष वर्षा ऋतु में बन्द रहने के कारण 15 करोड़ रुपए की हानि हुई;

(ख) क्या इस तेल शोधक कारखाने में काफी पानी एकत्रित हो गया था जिसे कुप्रबन्ध के कारण बाहर नहीं निकाला जा सकता था; और

(ग) यदि हां, तो इसके लिए उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध कब तक कार्यवाही की जाएगी और क्या कार्यवाही की जायेगी ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मन्त्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) से (ग). 18-19 सितम्बर, 1976 को बरौनी शोधनशाला में अभूतपूर्व वर्षा हुई । शोधनशाला की चार दिवारी में एकत्रित पानी को शोधनशाला के बाहर चारों तरफ के पानी का ऊंचा स्तर होने के कारण निकाला नहीं जा सका । शोधनशाला के गुरुत्व के परिणाम स्वरूप पानी के मुक्त प्रवाह में बाधा आई और वर्षा का पानी केबिल खाईयों में, कुछ विद्युत प्रतिष्ठानों में दाखिल हो गया और जिसके परिणामस्वरूप शोधनशाला को 19 सितम्बर, 1976 से बन्द करना पड़ा । एकत्रित पानी को निकालने के उपरान्त पानी में डूबी हुई मोटरों को खोला गया और आवश्यकतानुसार सुखाया मरम्मत की गई । कुछ केबिल लाइनों को भी सही किया गया था । उत्पादन पुनः 15 दिनों के बाद आरम्भ किया जा सका था ।

2. शोधनशाला के बन्द हो जाने के परिणामस्वरूप कच्चे तेल को साफ करने की प्रक्रिया में जो कमी हुई उसको उत्तरवर्ती माहों में पूरा कर दिया गया था और बजटबद्ध 2.9 मिलियन मी० टन के आंकड़ों की अपेक्षा बरौनी शोधनशाला की वर्ष 1976-77 के दौरान 2.882 मिलियन मी० टन का वास्तविक उत्पादन हुआ था । तथापि बरौनी शोधनशाला के उत्पादन की इस आंशिक कमी को गोहाटी शोधनशाला की अतिरिक्त अशोधित तेल को साफ करने की प्रक्रिया द्वारा पूरा किया गया था जिसका वास्तविक अशोधित तेल का उत्पादन वर्ष के बजटबद्ध 0.83 मिलियन मी० टन उत्पादन की अपेक्षा 0.841 मिलियन मी० टन था । पानी में डूबे हुए

विद्युत् प्रतिष्ठानों को ठीक कराने में लगभग एक लाख रुपए का खर्चा होगा और इसके अतिरिक्त किसी प्रकार की क्षति अथवा हानि शोधनशाला प्रतिष्ठानों को नहीं हुई थी । यह संकट अप्रत्याशित वर्षा के परिणामस्वरूप आया था और इसका सम्बन्ध शोधनशाला के किसी कार्मिक की लापरवाही अथवा असावधानी के कारण नहीं थी ।

3. बरौनी-बेगुसराय औद्योगिक कम्प्लैक्स क्षेत्र में पर्याप्त निकासी प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए उपायों पर राज्य सरकार सक्रिय रूप से विचार कर रही है ।

Broad Gauge Line on Latur-Pandharpur-Miraj Track

2529. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Maharashtra Government has urged upon the construction of broad gauge railway on Latur-Pandharpur-Miraj track;

(b) if so, when; and

(c) whether the Central Government have accepted the Maharashtra Government's request?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) Yes.

(b) Since 1960.

(c) Surveys have been carried out for the conversion of Miraj-Pandharpur-Kurduwadi-Latur Narrow Gauge line into Broad Gauge. It has, however, not been possible to take up the project on account of paucity of funds.

कच्चे तेल के आयात के लिए करार

2530. **श्री मीठालाल पटेल :** क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कच्चे तेल के आयात के लिए किसी देश के साथ हाल में किसी करार पर हस्ताक्षर किये है ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मन्त्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) और (ख). कैलेंडर वर्ष 1977 के दौरान 1.1 मिलियन मी० टन अरब के हल्के कच्चे तेल की सप्लाई करने के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन ने हाल ही में सऊदी अरब की पैट्रोमिन नामक नेशनल कम्पनी के साथ एक करार किया है । इंडियन आयल कारपोरेशन के वाणिज्यिक हितों की दृष्टि से इसके और ब्यौरे प्रकट करना उचित नहीं होगा ।

नीम का थाना में सीमेंट कारखाने को रेलवे लाईन से जोड़ना

2531. **श्री लालजी भाई :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन के मंत्रालय ने नीम का थाना (जिला सीकर, राजस्थान) में प्रस्तावित सीमेंट कारखाने को रेल लाईन से जोड़ने से इंकार कर दिया है जिसके कारण कारखाने का काम ठप्प पड़ गया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है ?

रेल मन्त्री (प्रो० मधु दण्डवते): (क) और (ख) : नीम का थाना में सीमेन्ट